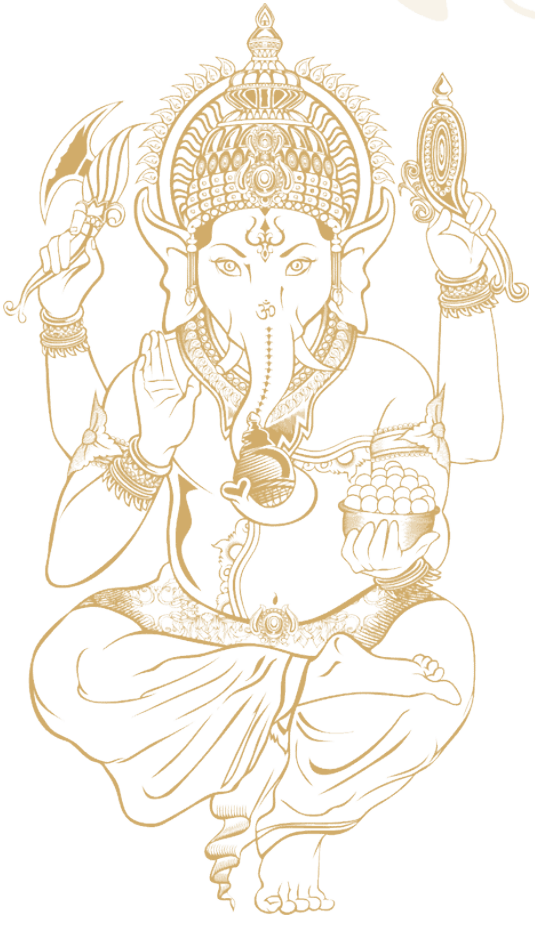

abhishek sahoo

02 Dec 1996

03:31 PM

Cuttack

Model: web-freekundliweb

Order No: 121791104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/12/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:31:00 घंटे**
इष्ट	23:30:50 घटी
स्थान	**Cuttack**
राज्य	Odisha
देश	India

अक्षांश	20:26:00 उत्तर
रेखांश	85:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:13:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:44:44 घंटे
वेलान्तर	00:10:31 घंटे
साम्पातिक काल	20:30:50 घंटे
सूर्योदय	06:06:40 घंटे
सूर्यास्त	17:04:56 घंटे
दिनमान	10:58:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:41:39 वृश्चिक
लग्न के अंश	22:49:21 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:49:21	407:41:39	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	16:41:39	01:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	08:04:39	11:49:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	23:19:01	00:28:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	03:03:01	01:27:54	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			धनु	24:48:46	00:12:27	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			तुला	17:45:16	01:14:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	06:47:45	00:00:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	11:45:27	00:01:10	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	11:45:27	00:01:10	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	07:59:52	00:02:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:01:40	00:01:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:28:26	00:02:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मक	11:31:57	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:51

लग्न-चलित

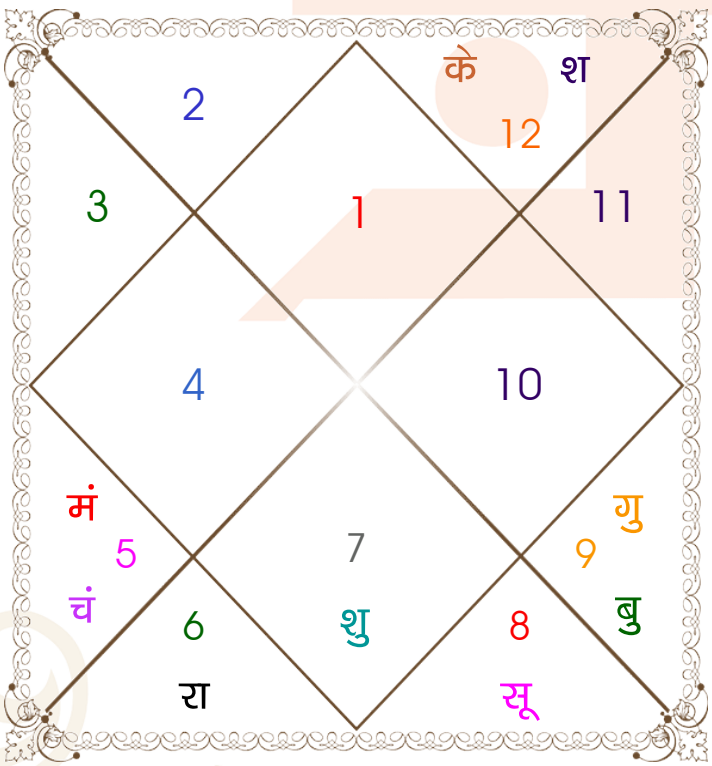

चन्द्र कुंडली

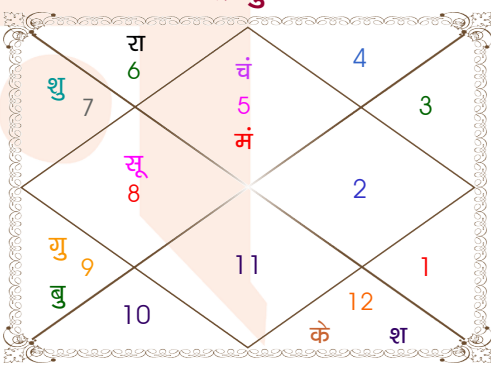

नवमांश कुंडली

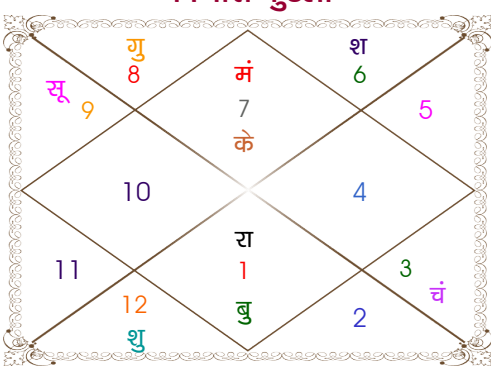

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 9 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/12/1996		06/09/1999		06/09/2019		05/09/2025		06/09/2035	
06/09/1999		06/09/2019		05/09/2025		06/09/2035		06/09/2042	
	00/00/0000	शुक्र	05/01/2003	सूर्य	25/12/2019	चंद्र	07/07/2026	मंगल	02/02/2036
	00/00/0000	सूर्य	06/01/2004	चंद्र	24/06/2020	मंगल	05/02/2027	राहु	20/02/2037
	00/00/0000	चंद्र	05/09/2005	मंगल	30/10/2020	राहु	06/08/2028	गुरु	27/01/2038
	00/00/0000	मंगल	06/11/2006	राहु	24/09/2021	गुरु	06/12/2029	शनि	07/03/2039
	00/00/0000	राहु	05/11/2009	गुरु	13/07/2022	शनि	07/07/2031	बुध	04/03/2040
	02/12/1996	गुरु	06/07/2012	शनि	25/06/2023	बुध	06/12/2032	केतु	31/07/2040
गुरु	31/07/1997	शनि	06/09/2015	बुध	30/04/2024	केतु	07/07/2033	शुक्र	30/09/2041
शनि	09/09/1998	बुध	07/07/2018	केतु	05/09/2024	शुक्र	07/03/2035	सूर्य	05/02/2042
बुध	06/09/1999	केतु	06/09/2019	शुक्र	05/09/2025	सूर्य	06/09/2035	चंद्र	06/09/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/09/2042		05/09/2060		05/09/2076		06/09/2095		06/09/2112	
05/09/2060		05/09/2076		06/09/2095		06/09/2112		00/00/0000	
राहु	19/05/2045	गुरु	24/10/2062	शनि	09/09/2079	बुध	02/02/2098	केतु	02/02/2113
गुरु	13/10/2047	शनि	07/05/2065	बुध	19/05/2082	केतु	30/01/2099	शुक्र	05/04/2114
शनि	18/08/2050	बुध	13/08/2067	केतु	28/06/2083	शुक्र	01/12/2101	सूर्य	10/08/2114
बुध	07/03/2053	केतु	19/07/2068	शुक्र	28/08/2086	सूर्य	07/10/2102	चंद्र	11/03/2115
केतु	25/03/2054	शुक्र	20/03/2071	सूर्य	10/08/2087	चंद्र	08/03/2104	मंगल	08/08/2115
शुक्र	25/03/2057	सूर्य	06/01/2072	चंद्र	10/03/2089	मंगल	05/03/2105	राहु	25/08/2116
सूर्य	17/02/2058	चंद्र	07/05/2073	मंगल	19/04/2090	राहु	22/09/2107	गुरु	03/12/2116
चंद्र	19/08/2059	मंगल	13/04/2074	राहु	23/02/2093	गुरु	28/12/2109		00/00/0000
मंगल	05/09/2060	राहु	05/09/2076	गुरु	06/09/2095	शनि	06/09/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।